अध्याय - 4

कैमरे में बंद अपाहिज

– रघुवीर सहाय

पाठ्य पुस्तक के प्रश्न - अभ्यास

प्रश्न 1 कविता में कुछ पंक्तियां कोष्ठकों में रखी गई है- आपकी समझ से इनका क्या औचित्य है ?

उत्तर- कविता में कुछ पंक्तियां कोष्ठकों में रखी गयी हैं। इसका मुख्य उद्देश्य मीडिया की संवेदनहीनता को दिखाना है। कवि ने दूरदर्शन कार्यक्रम संचालक और दर्शकों का आपसी संबंध स्थापित करने के लिए ऐसा किया है। नाटक विधा में पात्रों की भाव भंगिमाएं कोष्ठकों में व्यक्त की जाती है । एक अपाहिज व्यक्ति के प्रति संवेदनहीनता का भाव व्यक्त करने वाली सभी पंक्तियां कोष्ठकों में रखी गई है।

प्रश्न- 2. कैमरे में बंद अपाहिज करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है -विचार कीजिए ।

उत्तर- कैमरे में बंद अपाहिज कविता बाजारवाद के युग में उन लोगों का चरित्र खोलता है, जो दूसरे के दुखों को बेचकर धन कमाना चाहता है । कार्यक्रम संचालक अपने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए एक अपाहिज व्यक्ति से प्रश्न पूछता है । वह प्रश्न पूछते पूछते क्रूर बन जाता है । उसका उद्देश्य सिर्फ कार्यक्रम को सफल बनाना है न कि अपाहिज व्यक्ति से हमदर्दी । अतः यह कविता करुणा के मुखोटे में छिपी क्रूरता की कविता है ।

प्रश्न- 3. हम समर्थ शक्तिमान और हम एक दुर्बल को लाएंगे पंक्ति के माध्यम से कवि ने क्या व्यंग्य किया है?

उत्तर- इस पंक्ति के माध्यम से मीडिया वाले को समर्थ शक्तिवान तथा अपाहिज को दुर्बल संबोधित किया गया है । मीडिया वाले इस कविता में समर्थ शक्तिमान हैं, समाज का पूंजीपति वर्ग है जो दूसरे के दुख को बेचकर पैसा कमाते हैं। अपाहिज से तरह-तरह के प्रश्न पूछते हैं । एक समर्थ व्यक्तित्व मीडिया वाले के प्रश्न से अपाहिज और दर्शक असहज महसूस करता है। अपाहिज तो बिल्कुल असहज हो जाता है। इस तरह कवि कार्यक्रम संचालक की स्वार्थी मनोवृति पर व्यंग्य किया है।

प्रश्न- 4. शारीरिक रूप से चुनौती का सामना कर रहे व्यक्ति और दर्शक, दोनों एक साथ रोने लगेंगे, तो उससे प्रश्नकर्ता का कौन-सा उद्देश्य पूरा होगा ?

उत्तर- यदि शारीरिक रूप से चुनौती का सामना कर रहे व्यक्ति और दर्शक दोनों एक साथ रोने लगेंगे तो उससे प्रश्नकर्ता का व्यावसायिक उद्देश्य पूरा हो जाएगा। दूरदर्शन वाले सामाजिक उद्देश्य युक्त कार्यक्रम इसलिए दिखाते हैं कि दर्शकों की संवेदना अपाहिज पीड़ित व्यक्ति से जुड़ सकें । दूरदर्शन वाले इसलिए भी दिखाते हैं कि उनका कार्यक्रम सफल हो सके और पैसा कमा सके।

प्रश्न- 5. परदे पर वक्त की कीमत है कहकर कवि ने पूरे साक्षात्कार के प्रति अपना नजरिया किस रूप में रखा है ?

उत्तर- परदे पर वक्त की कीमत है कहकर कवि ने पूरे साक्षात्कार के प्रति व्यावसायिक नजरिया रखा है । जैसे ही पीड़ित व्यक्ति तथा दर्शक वर्ग भावुक होते हैं, वैसे ही कार्यक्रम संचालक का उद्देश्य पूरा हो जाता है। उसका कार्यक्रम सफल हो जाता है ।

(अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर) दीर्घत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. कैमरे में बंद अपाहिज करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है'-विचार कीजिए।

उत्तर- यह कथन बिल्कुल सच है कि यह कविता करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है। ऊपर से तो करुणा दिखाई देती है कि संचालक महोदय अपंग व्यक्ति के प्रति सहानुभूति दर्शा रहा है, पर उसका वास्तविक उद्देश्य कुछ और ही होता है। वह तो उसकी अपंगता बेचना चाहता है। उसे एक रोचक कार्यक्रम चाहिए जिसे दिखाकर वह दर्शकों की वाह-वाही लूट सके। उसे अपंग व्यक्ति से कुछ लेना-देना नहीं है। यह कविता यह बताती है कि दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले इस प्रकार के अधिकांश कार्यक्रम कारोबारी दबाव के तहत संवेदनशील होने का ढोग भर करते हैं। कई बार उनके प्रश्न क्रूरता की सीमा तक पहुँच जाते हैं। अतः यह कहना उचित ही है कि 'कैमरे में बंद अपाहिज' के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न- 1. कैमरे में बंद अपाहिज कविता मीडिया वालों की संवेदनहीनता का चित्रण करती है। कैसे?

उत्तर- मीडिया वाले दूसरे की करुणा, दुख, पीड़ा को बेचते हैं ।बेचने के क्रम में ऐसे ऐसे सवाल उनसे पूछते हैं जो उनकी संवेदनहीनता का चित्रण करती है। मीडिया वाले अपने कार्यक्रम की टीआरपी बढ़ाने के लिए जानबूझकर कमजोर वर्ग को लाते हैं। ताकि उनका कार्यक्रम सफल हो ।

प्रश्न- 2. कैमरे में बंद अपाहिज कविता को आप करुणा की कविता मानते हैं या क्रूरता की ?

उत्तर- यह कविता वास्तव में करुणा की कविता नहीं क्रूरता की कविता है। दूरदर्शन कमजोर एवं असत्य व्यक्ति को पर्दे पर लाकर उनका दुख बांटना चाहता है। लोगों का ध्यान उनकी पीड़ा की ओर खींचना चाहता है किंतु इसी क्रम में वह अपने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए ऐसे ऐसे प्रश्न पूछता है जो क्रूरता के प्रश्न है।

प्रश्न- 3. कैमरे में बंद अपाहिज शीर्षक की उपयुक्तता सिद्ध कीजिए।

उत्तर- यह शीर्षक कैमरे में बंद अपाहिज के मनोदशा का सार्थक प्रतिनिधित्व करता है। अपाहिज कितना बेबस है ।अपनी पीड़ा से ज्यादा प्रश्न कर्ता के प्रश्न से। दूरदर्शन वाले भी उसके पीड़ा दुख करूणा को बेचने के लिए कैमरे में उसे बंद करना चाहते हैं।

प्रश्न- 4. दूरदर्शन वाले कैमरे के सामने कमजोर को ही क्यों लाते हैं।?

उत्तर- दूरदर्शन वाले कैमरे के सामने कमजोर को ही लाते हैं क्योंकि दर्शक दूसरे की पीड़ा देखकर भावुक हो जाते हैं। कार्यक्रम सफल करने के लिए दर्शकों की संख्या में इजाफा चाहिए और यह इजाफा अपाहिज या अपंग व्यक्ति से होती है ।व्यावसायिक दबाव के कारण भी इस स्तर तक गिर जाते हैं।

प्रश्न- 5. सप्रसंग व्याख्या करें -

हम दूरदर्शन पर बोलेंगे

हम समर्थ शक्तिवान

हम एक दुर्बल को लाएंगे

एक बंद कमरे में

प्रसंग-

आलोच्य पंक्तिया प्रयोगवाद और नई कविता के कवि रघुवीर सहाय द्वारा रचित कैमरे में बंद अपाहिज से उद्धृत है। जो हमारे पुस्तक 'आरोह' भाग - 2 में संकलित है।

संदर्भ - कवि कविता की शुरुआत में बताते हैं कि मीडिया वाले उद्घोषणा करते हैं कि वे समर्थ और शक्तिमान है और वे एक निर्बल अशक्त कमजोर व्यक्ति को लाएंगे।

व्याख्या-

उपरोक्त पंक्ति में दूरदर्शन वाला कहता है कि वह दूरदर्शन पर प्रश्नकर्ता है इसलिए वे समर्थ है, शक्तिवान है। शारीरिक रूप से जो दुर्बल है उसे बंद कमरे में लाएंगे। उसे तरह-तरह के प्रश्न पूछेंगे।

विशेष-

(1) मीडिया की दृष्टि में दुर्बल एक उत्पाद है जिसके दुख पीड़ा को बेचने की बू आ रही है।

(2) भाषा खड़ी बोली हिन्दी है।

(3) सहज, सरल, सुबोधगमय और अखबारी है।

(4) व्यंजना शब्द - शक्ति का प्रयोग किया गया है।

(5) मुक्तक छंद है।

बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न- 1. रघुवीर सहाय का जन्म कब हुआ?

(क) 1980 (ख) 1970

(ग) 1930 (घ) 1929

प्रश्न- 2. दूसरा सप्तक में किस कवि की कविता है ?

(क) प्रसाद (ख) निराला

(ग) पंत (घ) रघुवीर सहाय

प्रश्न- 3. रघुवीर सहाय की रचना है।

(क) सीढ़ियों पर धूप में (ख) आत्महत्या के विरुद्ध

(ग) हंसो हंसो जल्दी हंसो (घ) उपरोक्त सभी

प्रश्न- 4. सहाय की कविता कैमरे में बंद अपाहिज किस काव्य संग्रह में संकलित है ?

(क) लोग भूल गए हैं (ख) सीढ़ियों पर धूप में

(ग) आत्महत्या के विरुद्ध (घ) हंसो हंसो जल्दी हंसो

प्रश्न- 5. कैमरे मे बंद अपाहिज कविता में हम दूरदर्शन पर क्या बोलेंगे ?

(क) हम बलवान हैं

(ख) हम समर्थ और शक्तिवान हैं

(ग) हम कमजोर हैं

(घ) हम दुर्बल हैं

प्रश्न- 6. समर्थ शक्तिमान बंद कमरे में किसे लाएंगे?

(क) बलवान को (ख) दुर्बल

(ग) खिलाड़ी (घ) अभिनेता

प्रश्न- 7. अपाहिज से क्या पूछेंगे ?

(क) दुख (ख) पीड़ा

(ग) सुख (घ) इनमें से सभी

प्रश्न- 8. कार्यक्रम को रोचक बनाने के वास्ते क्या करेंगे ?

(क) हंसा देंगे (ख) घुमा देंग

(ग) रूला देंगे (घ) उपरोक्त सभी

प्रश्न-9. पर्दे पर कार्यक्रम संचालक क्या दिखलाएंगे ?

(क) फूली हुई आंख (ख) होठों की कसमसाहट

(ग) क और बख दोनों (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

प्रश्न-10. कार्यक्रम संचालक किन्हे रुलाना चाहता है ?

(क) अपाहिज को (ख) दर्शक

(ग) दोनों को (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

प्रश्न-11. पर्दा पर किस की कीमत है ?

(क) दर्शक की (ख) अपाहिज की

(ग) रोशनी की (घ) वक्त की

प्रश्न-12. कैमरे में बंद अपाहिज किस उद्देश्य युक्त कार्यक्रम है ?

(क) राजनीतिक उद्देश्य (ख) सामाजिक उद्देश्य

(ग) सांस्कृतिक उद्देश्य (घ) धार्मिक उद्देश्य

उत्तर-	1- घ	2- घ	3- घ	4- क	5- ख
	6- ख	7- क	8- ग	9- ग	10- ग
	11- घ	12- ख			